

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -21

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 22 जनवरी से 28 जनवरी 2026 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

पहली बार छत्तीसगढ़ की महिला पत्रकारों के दल ने किया अध्ययन भ्रमण, खुशियों भरी मुस्कान के साथ जताया मुख्यमंत्री का आभार

महिला पत्रकार अपने साहस से कर रही लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत- मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल से की मुलाकात

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला पत्रकार अपने साहस से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत कर रही हैं। मैं उन सभी महिलाओं के साहस को नमन करता हूँ जो पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण पेशे में रह कर समाज में सकारात्मक योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री को महिला पत्रकारों के दल ने गुजराती अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर पहली बार छत्तीसगढ़ से महिला पत्रकारों के दल को अन्य राज्य के अध्ययन भ्रमण पर भेजने के लिए उनका आभार जताया। महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि विगत वर्ष महिला दिवस पर उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष महिला पत्रकारों की भी अध्ययन भ्रमण पर भेजे जाने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्हें बहुत खुशी है कि



मुख्यमंत्री ने उन सभी की इस इच्छा को पूरा किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं से चर्चा के दौरान कहा कि इस अध्ययन भ्रमण के दौरान आप सभी ने गुजरात विधानसभा, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, राजकोट, पोरबंदर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को समझा है। आने वाले समय में ये अनुभव आपकी कलम को और भी समृद्ध करेगा, जिसका लाभ पत्रकारिता जगत के साथ ही आपके पाठकों भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष है। इस वर्ष को हम महतारी गौरव वर्ष के रूप में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महिला पत्रकारों से उनके अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को किताब के रूप संजोने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह ना सिर्फ आपके लिए इस भ्रमण को हमेशा के लिए यादगार बनाएगा बल्कि अन्य लोग भी आपकी किताब को पढ़कर गुजरात के बारे में अपनी जानकारी बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात एक समृद्ध

और मॉडल राज्य है। गुजरात की एक खासियत यह भी है कि वहां सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। अमूल सहकारिता का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें मुख्यतः महिलाएं शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में भी हम सहकारिता को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी देश के सहकारिता मंत्री भी हैं। उनके मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में भी सहकारिता के लिए बहुत कार्य हो रहा है। सहकारिता इस बात का प्रतीक है कि मिलकर करने से बड़ा काम भी आसान होता है।

गुजरात का सीएम डैशबोर्ड देश का सबसे एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हम सभी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण कर रहे हैं। मंत्रालय में अब डैशबोर्ड प्रणाली लागू है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला पत्रकारों से अपनी गुजरात यात्रा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि गुजरात का सीएम डैशबोर्ड देश का सबसे एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम है जिसके माध्यम से एक जगह बैठकर ही पूरे प्रदेश पर नजर रखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के विकास की नींव रखी थी, हम गुजरात जैसी व्यवस्थाओं को यहां भी लागू कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री से महिला पत्रकारों ने गुजरात अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को साझा किया। सुश्री निशा द्विवेदी ने कहा कि इस दूर के माध्यम से उन्हें गुजरात के समृद्ध इतिहास और संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिला। सुश्री दामिनी बंजारे ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके 8 वर्षों के पत्रकारिता के करियर में पहली बार है जब महिलाओं का दल अध्ययन भ्रमण पर गया है। कोरिया की सुश्री नूरजहां ने बताया कि यह पहली बार है जब महिलाओं को इस रूप में प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी महिला पत्रकारों को ये मौका मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री को महासमुंद की पत्रकार सुश्री उत्तरा विदानी ने बताया कि गुजरात विधानसभा के भ्रमण में बहुत अच्छा लगा। वहां की खास बात यह देखने को मिली कि बच्चों सहित

आमजन को विधानसभा की कार्यवाही को सुगमता से देखने का अवसर दिया जाता है। दुर्ग की पत्रकार सुश्री कोमल धनेसर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में 25 वर्षों में यह पहला अवसर है जब महिला पत्रकारों को ऐसा मौका मिला है। उन्होंने कहा कि जब हम भ्रमण पर निकले थे तो बहुत सारे अनजाने चेहरे थे और लौटते ही तो नए दोस्त और नई बॉन्डिंग के साथ।

रायपुर की पत्रकार सुश्री नेहा श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को बताया कि हम सभी पत्रकार अलग-अलग संस्थानों में काम करते हैं। व्यस्तता की वजह से हमारी बात नहीं हो पाती। ये दूर रूटीन से अलग एक अनुभव रहा जिसमें नये दोस्त बने। सुश्री रचना नितेश ने मुख्यमंत्री को बताया कि ये अनुभव ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध करने वाला था।

नालंदा परिसर फेज-2 में पढ़ने वाले युवा गढ़ेंगे अपनी सफलता का नया इतिहास - अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 1017 सीटर नए नालंदा परिसर का किया भूमिपूजन

21 करोड़ से अधिक की लागत से बनेगा नया परिसर

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने बसंत पंचमी के दिन रायपुर में नए नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया। एनआईटी के सामने जीई रोड के किनारे 21 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से इस 1017 सीटर नालंदा परिसर फेज-2 का निर्माण किया जा रहा है। इससे शहर में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को तैयारी का अच्छा माहौल मिलेगा। उन्हें ऑनलाइन तथा ऑफलाइन लाइब्रेरी के साथ ही अच्छी गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री भी मिल सकेगी। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप, विधायकगण सर्वश्री राजेश मृगत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा तथा रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल



चौबे भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को बसंत पंचमी की बधाई दी। उन्होंने भारतमाता के वीर सपूत नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर फेज-2 में आने वाले विद्यार्थियों को माता सरस्वती की कृपा प्राप्त होगी। श्री साव ने कहा कि नालंदा परिसर फेज-2 इस बात का उदाहरण है कि श्री विष्णु देव साय की सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी संसाधन

मुहैया कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्तमान में संचालित नालंदा परिसर की तरह ही यह नया परिसर भी युवाओं के लिए बहुत लाभप्रद होगा और यहां अध्ययन करने वाले युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का नया इतिहास गढ़ेंगे। श्री साव ने कार्यक्रम में पीएम स्वर्निधि के हितग्राहियों को चेक भी वितरित किए।

वन एवं पर्यावरण तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि आज बसंत पंचमी के

शुभ और पावन अवसर पर राज्य सरकार की ओर से राजधानीवासियों को शानदार सौगत मिल रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में तथा स्थानीय विधायक श्री राजेश मृगत की लगातार कोशिशों के परिणामशर को मिल रहे हैं। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री राजेश मृगत ने नालंदा परिसर फेज-2 के निर्माण के लिए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस एजुकेशन हब में हम शिक्षा का विकास करने का संकल्प पुरा करेंगे। यहां चारों ओर शिक्षण संस्थाएं हैं। पिछले दो सालों में रायपुर शहर सहित पूरे छत्तीसगढ़ का अच्छा विकास हुआ है। शिक्षण और विकास के कार्यों में तेजी आई है। रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि यह जगह शहर का हृदय स्थल है और यहां चारों ओर बड़ी शिक्षण संस्थाएं हैं। इन संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को नए नालंदा परिसर का भरपूर लाभ मिलेगा। यह उनके कैरियर के निर्माण में बहुत उपयोगी साबित होगा।

ऐसा होगा नया नालंदा परिसर

रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप ने बताया कि 21 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से बनने वाले 1017 सीटर नालंदा परिसर फेज-2 में 90 सीटों वाला व्याख्यान मूलतः की लगातार कोशिशों के परिणामशर को मिल रहे हैं। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री राजेश मृगत ने नालंदा परिसर फेज-2 के निर्माण के लिए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस एजुकेशन हब में हम शिक्षा का विकास करने का संकल्प पुरा करेंगे। यहां चारों ओर शिक्षण संस्थाएं हैं। पिछले दो सालों में रायपुर शहर सहित पूरे छत्तीसगढ़ का अच्छा विकास हुआ है। शिक्षण और विकास के कार्यों में तेजी आई है। रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि यह जगह शहर का हृदय स्थल है और यहां चारों ओर बड़ी शिक्षण संस्थाएं हैं। इन संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को नए नालंदा परिसर का भरपूर लाभ मिलेगा। यह उनके कैरियर के निर्माण में बहुत उपयोगी साबित होगा।

राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 10वीं और 12वीं परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित



प्रशस्ति पत्र और डेढ़-डेढ़ लाख की सम्मान राशि से 239 विद्यार्थी सम्मानित

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ये 2024 एवं 2025 के टॉप 10 मेधावी और विशेष पिछड़ी जनजाति के टॉप 01 विद्यार्थी हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डप में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पंडित

दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाएं हमारे जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रथम सीढ़ी हैं। आपने एक पड़ाव पार किया है अब अगले पड़ाव की ओर जा रहे हैं। जहां एक ओर इस सफलता की प्रेरणा आपको नवीन ऊर्जा के साथ प्रगति का रास्ता प्रशस्त करती है और वहीं यह सम्मान अन्य विद्यार्थियों को मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपार संभावनाओं का

प्रदेश है। “धान का कटोरा” कहा जाने वाला हमारा राज्य अब शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति बहुत उन्नत है। हमें अपने राज्य की सनातन संस्कृति पर गर्व का भाव होना चाहिए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी आईआईटी, नीट की परीक्षा देकर इंजीनियरिंग और मेडिकल में जाना चाहते हैं लेकिन सभी को सफलता नहीं मिलती है। इसके लिए निराश होने की जरूरत नहीं है। नए-नए विषय हैं जहां आप कैरियर की ऊंची उड़ान भर सकते हैं। धैर्य के साथ आगे बढ़ें। गिरना बड़ी बात नहीं है गिर कर खड़े होना महत्वपूर्ण है। सपना बड़ा होना चाहिए। सपनों को पूरा करने के लिए साधना और अभ्यास करना होता है। उन्होंने मौलिकता और नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के बच्चों शिक्षा में आगे बढ़ रहे हैं, यह बहुत सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी हमारे देश एवं प्रदेश के भविष्य हो।

रायपुर साहित्य उत्सव से राष्ट्रीय फ्लक पर उभरेगी छत्तीसगढ़ की साहित्यिक पहचान- उपमुख्यमंत्री

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। रायपुर साहित्य उत्सव के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने देशभर से आए साहित्यकारों, विचारकों और साहित्य प्रेमियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना और साहित्यिक परंपरा का जीवंत उत्सव है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि माता शबरी, माता कौशल्या और छत्तीसगढ़ महतारी की यह धरती भगवान श्रीराम का निहाल है। ऐसे पावन स्थल पर, छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष और बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन होना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती सदैव महान साहित्यकारों की उर्वर भूमि रही है और यह उत्सव उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का सशक्त संभव बनेगा।

उन्होंने आयोजन समिति और सभी सहयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रायपुर साहित्य उत्सव प्रदेश की साहित्यिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन के पीछे तीन माह का निरंतर परिश्रम और एक दूरदर्शी सांस्कृतिक कल्पना निहित है। उन्होंने बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सभी अतिथियों, साहित्यकारों और साहित्य प्रेमियों को शुभकामनाएं देते हुए मां शारदा का स्मरण किया। श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री की कल्पना के अनुरूप इस साहित्य उत्सव को आकार दिया गया है, जिसका उद्देश्य पिछली पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी के बीच साहित्य के माध्यम से एक सशक्त सेतु का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि देशभर में चल रहे अन्य साहित्य महोत्सवों के बावजूद ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों की उपस्थिति इस आयोजन की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को दर्शाती है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति कुमुद शर्मा ने अमृतकाल में गणतंत्र विषय को संबोधित करते हुए कहा कि अमृतकाल का यह प्रारंभिक चरण स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

नई पीढ़ी को साहित्य की समझ सिखाने साहित्य उत्सव बहुत जरूरी - हरिवंश



हरिवंश ने रायपुर साहित्य उत्सव को सराहा, कहा देश के हर जिले और हर राज्य में हमें ऐसे आयोजन

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, बौद्धिक एवं वैचारिक चेतना को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने पुरखौती मुक्तगंग में आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव 2026 के पहले दिन आज राज्यसभा के उप सभापति श्री हरिवंश और साहित्य विकास गाथा तथा साहित्य की युवाओं के बीच पहुंचाने पर चर्चा

की। राज्यसभा के उप सभापति श्री हरिवंश ने चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान का साहित्य ही समाज को एक कर सकता है। साहित्य में वह ताकत है कि यह अलग-अलग विचारों, अलग-अलग समाजों एवं अलग-अलग राज्यों में रहने वाले लोगों के वैचारिक टकरावों को खत्म कर सकता है। रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजन समाज को जोड़ने के लिए तथा आने वाली पीढ़ी को साहित्य की समझ सिखाने के लिए बहुत जरूरी है। श्री हरिवंश ने कहा कि हमारे गांव, हमारे राज्य और हमारे देश में ऐसे अनेक ऐतिहासिक धरोहर, ऐतिहासिक किताब, महान इतिहासकार और साहित्यकार हुए हैं, जिन पर हमें गर्व होना चाहिए। लेकिन हम में हीनता का इतना

ज्यादा बोध है कि हम विदेशी चीजों से ज्यादा प्रभावित हो गए हैं। हमारे देश का साहित्य इतना समृद्ध है कि विदेश के लोग इससे सीख सकते हैं। यह हीनता बोध तभी खत्म हो पाएगा जब रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजन देश के हर जिले और हर राज्य में हों। उन्होंने देश की संस्कृति और हर गांव के धरोहरों पर लिखने पर जोर दिया।

श्री हरिवंश ने कहा कि भारत मशाल जलाकर दुनिया को राह दिखा रहा है। 2014 के बाद भारत लगातार विकास की ओर अग्रसर है। किसी भी देश के विकास का परिचय वहां के गांव और अंतिम छोर के निवासी से मिलता है। आज भारत के गांवों में पक्के घर हैं, पूरे देश में डिजिटल क्रांति के तहत यूपीआई पेमेंट हो रहे हैं।

रोड सेफ्टी जागरूकता में पुलिस मितान निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका – मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पुलिस मितान सम्मेलन में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के सड्डू स्थित शांति सरोवर में आयोजित पुलिस मितान सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रोड सेफ्टी जागरूकता में पुलिस मितान अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पुलिस मितान नागरिकों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करने के साथ-साथ गांवों एवं मोहल्लों में पुलिस के रिसर्पॉस टाइम को भी बेहतर बनाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पुलिस मितान एप की लॉन्चिंग भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मितान बनाने की एक सुंदर और मानवीय परम्परा रही है। आप सभी ने पुलिस को अपना मितान बनाकर सड़क सुरक्षा के लिए नागरिकों को जागरूक करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि रोड सेफ्टी के लिए किया गया कार्य अत्यंत पुण्य का कार्य है, क्योंकि सड़क



दुर्घटनाओं में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनकी क्षतिपूर्ति कभी संभव नहीं हो पाती।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस मितान साथियों के निरंतर प्रयासों से इन सड़क दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी और आम नागरिकों का जीवन अधिक सुरक्षित बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पुलिस मितान साथियों को इस अभिनव पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि रायपुर जिले में सड़क दुर्घटनाओं का दिशा में पुलिस मितान की यह पहल प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बस सेवा योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना के तहत दूरस्थ एवं कम लाभप्रद रूटों पर भी यात्रियों को बस सुविधा उपलब्ध

कराई जाएगी तथा इन रूटों पर होने वाले लाभ के अंतर की राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस से अच्छा कोई मितान नहीं हो सकता। पुलिस जवान अत्यंत अनुशासन में रहकर कठिन परिस्थितियों में भी अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा से निभाते हैं। अब पुलिस मितान पुलिस के साथ समाज की सुरक्षा में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस मितान साथियों ने अपने अधिकारों की जागरूकता से आगे बढ़कर कर्तव्यों का संकल्प लिया है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है और इस दिशा में पुलिस मितान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पुलिस मितान साथियों को हेलमेट एवं फ़स्ट ऐड किट वितरित

किया तथा आयोजन में सहयोग करने वाले समाज सेवियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 4500 पुलिस मितानों को हेलमेट तथा प्रत्येक गांव को फ़स्ट ऐड किट प्रदान की गई।

पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम ने पुलिस मितान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस मितान योजना सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में एक प्रभावी पहल है। कार्यक्रम का स्वागत भाषण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम में शासकीय दिव्यांग विद्यालय, माना कैंप के बच्चों द्वारा सड़क सुरक्षा पर आधारित प्रेरक गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री प्रदीप गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री अमित कुमार, आईजी रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा, ब्रह्मकुमारी सविता दीदी, श्री राम गर्ग सहित बड़ी संख्या में पुलिस मितान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन के तहत जल परीक्षण व जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान आयोजित

उत्तर बस्तर कांकेर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर कांकेर जिले के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम माटवाडा मोदी एवं आतुरगांव में जल बहिनी, ग्रामवासियों एवं स्कूल के बच्चों की सहभागिता से जल परीक्षण एवं जल संरक्षण विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जल गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले तत्वों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। ग्रामीणों एवं बच्चों को जल के महत्व, जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ पेयजल के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एफटी.के. (फ़ैल्ड टेस्ट किट) के माध्यम से जल गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे ग्रामीण स्वयं अपने पेयजल की जांच कर सकें और जल जनित बीमारियों से बचाव कर सकें। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के प्रति

जागरूक करते हुए शपथ भी दिलाई गई, जिसमें बूंद-बूंद जल बचाने, जल स्रोतों के आसपास साफ-सफ़ाई रखने, जल संसाधनों की उचित देखभाल करने, जल को ग्राम की सामूहिक संपत्ति, जल कर का नियमित भुगतान करने तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए सोख्ता गड्ढा निर्माण एवं पौधरोपण करने का संकल्प लिया गया।

ग्राम इच्छापुर में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल स्रोतों के प्रशिक्षण, साफ-सफ़ाई, जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जल संरक्षण से संबंधित जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रचार रथ के माध्यम से ग्राम में भ्रमण कर ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल, जल गुणवत्ता जांच, जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। प्रचार रथ के माध्यम से आम नागरिकों को जल जीवन मिशन की योजनाओं, इसके लाभों, घरेलू नल कनेक्शन, हर घर नल से जल योजना, जल गुणवत्ता, स्रोत संवर्धन, जल कर की उपयोगिता तथा पेयजल संरचनाओं के रखरखाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयाँ प्रदान की गईं।

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का 01 फरवरी को होगा आयोजन, दो पालियों में होगी परीक्षा

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा सरगुजा जिले में 01 फ़रवरी 2026 को छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 (ञ्जझञ्ज26) का आयोजन दो पालियों में किया जा रहा है। परीक्षा प्रथम पाली में जिले के 24 परीक्षा केन्द्रों में प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु पूर्वाह्न 09:30 से 12:15 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें कुल 9,416 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में जिले के 49 परीक्षा केन्द्रों में माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु अपराह्न 03:00 बजे से 05:45 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें कुल 16,916 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों में सुरक्षा एवं व्यवस्था के कड़े उपाय सुनिश्चित किए हैं ताकि परीक्षा का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से किया जा सके। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे, ताकि प्रिंस्किंग एवं



सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूँकि प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 09:30 बजे से प्रारंभ हो रहा है अतः मुख्य द्वार प्रातः 09:00 बजे बंद कर

नीला, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैंगनी एवं गहरा चॉकलेटी रंग वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर(बिना पॉकेट) की अनुमति है, जांच के समय स्वेटर उतारना अनिवार्य है। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बाहं का बंधन नहीं होगा।

धार्मिक/सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। पुष्टिविर में केवल चप्पल पहनें, कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित। परीक्षा कक्ष में संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, बेल्ट, स्कार्फ़ टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही और अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी। परीक्षार्थी केवल नीले या काले बॉल पेन के साथ ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करें।

वीबी-जी राम जी के तहत ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता अभियान आयोजित

श्रमिकों को रोजगार से जोड़कर स्थायी आजीविका की दिशा में सशक्त पहल
एमसीबी। विकसित भारत गारंटी फ़ॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जन-जागरूकता के उद्देश्य से जनपद पंचायत भरतपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण श्रमिकों एवं परिवारों को योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान कर उन्हें रोजगार के साथ-साथ स्थायी आजीविका से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत पंचायत स्तर पर मनरेगा कार्यस्थलों एवं पंचायत भवनों में जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों एवं श्रमिकों को वीबी-जी राम जी योजना के प्रमुख उद्देश्यों, लाभों तथा 125 दिवस तक रोजगार

के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों द्वारा सरल एवं सहज भाषा में यह स्पष्ट किया गया कि किस प्रकार यह योजना पारंपरिक मजदूरी आधारित रोजगार से आगे बढ़कर कौशल विकास एवं स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से आय के स्थायी स्रोत विकसित करने पर केंद्रित है। कार्यक्रम के दौरान योजना के अंतर्गत कार्यों की उपलब्धता, पारदर्शी कार्यप्रणाली, समय पर मजदूरी भुगतान की व्यवस्था तथा शिकायत निवारण प्रणाली के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही श्रमिकों को यह भी अवगत कराया गया कि योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास के अवसर प्राप्त कर वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस जन-जागरूकता अभियान में कुल 30 श्रमिकों एवं 01 पंचायत प्रतिनिधि की सक्रिय सहभागिता रही।

धान खरीदी में एमसीबी जिले ने रचा नया कीर्तिमान 176 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में पहुंची

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने धान उपार्जन और समर्थन मूल्य भुगतान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। राज्य सरकार की सुविचारित कृषि नीतियों और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिले की धान खरीदी व्यवस्था ने किसानों के बीच विश्वास को और मजबूत किया है। जिले में अब तक 15,861 किसानों ने शासन द्वारा संचालित धान खरीदी प्रणाली के माध्यम से अपनी फसल का विक्रय किया है। इस दौरान 7,45,649.20 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया, जो जिले के लिए अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा माना जा रहा है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि किसान बड़ी संख्या में सरकारी खरीदी व्यवस्था से जुड़

रहे हैं और इसे सुरक्षित व लाभकारी मान रहे हैं। राज्य शासन द्वारा इस वर्ष 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य तय किया गया है, साथ ही प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी का प्रावधान लागू किया गया है। इस नीति का सीधा लाभ छोटे, सीमांत और मध्यम किसानों को मिला है, जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में जिले के किसानों को अब तक 176.64 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जा चुका है। इस प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है और किसानों की ऋय शक्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया

को पारदर्शी एवं भरोसेमंद बनाने के लिए टोकन व्यवस्था, डिजिटल तौल प्रणाली, फोटो सत्यापन और रियल-टाइम डेटा एंट्री जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। भुगतान की सीधी बैंक ट्रांसफ़र व्यवस्था के कारण बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं रही और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और प्रशासन की सतत निगरानी में एमसीबी जिला धान खरीदी एवं समर्थन मूल्य भुगतान के क्षेत्र में एक प्रभावी और अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभरा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 जिले के किसानों के लिए आर्थिक स्थिरता, भरोसे और सशक्तिकरण का प्रतीक बनकर सामने आया है।

नवसाक्षर सरजू राम ने कमिशनर के समक्ष साझा किए पढ़ने-लिखने के अनुभव



सूरजपुर। उल्लास (नवभारत साक्षरता कार्यक्रम) के अंतर्गत नवसाक्षर सरजू राम, पिता राम रतन, निवासी ग्राम पोड़ी छाप, विकासखंड रामाजुनगर, जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) ने आज अपने पढ़ने-लिखने की गतिविधियों का अनुभव साझा किया। कार्यक्रम के दौरान नवसाक्षर सरजू राम ने कमिशनर सरगुजा संभाग श्री नरेंद्र दुग्गा से भेंट कर उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से

साक्षर बनने की अपनी यात्रा, दैनिक जीवन में पढ़ना-लिखना सीखने से आए सकारात्मक बदलाव तथा आत्मविश्वास में वृद्धि के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन भी उपस्थित रहे। कमिशनर श्री नरेंद्र दुग्गा ने सरजू राम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उल्लास कार्यक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने स्वयंसेवी शिक्षक सुश्री रेशमी कुमारी के योगदान की भी प्रशंसा की और कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षकों के माध्यम से ही नवसाक्षर भारत का सपना साकार हो रहा है। उल्लेखनीय है कि उल्लास कार्यक्रम के तहत निरक्षर एवं नवसाक्षरों को पढ़ने-लिखने के साथ-साथ जीवन उपयोगी कौशल, डिजिटल साक्षरता और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत नारधी में जल अर्पण दिवस उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड बेमेतरा द्वारा जल के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 22 जनवरी को विकासखंड बेरला की ग्राम पंचायत नारधी में जल अर्पण दिवस का आयोजन उत्साह, सहभागिता और जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच श्रीमती रानी टंडन रहैं। कार्यक्रम में ग्राम सचिव श्री विनोद कुमार, पंचगण, जल बहिनी, महिला समूह की सदस्याएं एवं ग्रामीणजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में जल संरक्षण,

जल स्रोतों की सुरक्षा तथा नल-जल योजना के सतत संचालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है, वहीं जल स्रोतों का संरक्षण और योजनाओं का संरक्षण करना सामूहिक जिम्मेदारी है। अतिथियों ने बताया कि जल अर्पण दिवस का मुख्य उद्देश्य हर घर जल योजना की सततता सुनिश्चित करना, जल के

संरक्षण, सुरक्षित उपयोग एवं स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना है। ऐसे कार्यक्रमों से जल जीवन मिशन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलती है और ग्रामीण समुदाय स्वयं योजना का संरक्षक बनता है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों द्वारा जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। वहीं जल बहिनी द्वारा स्रज्जय किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का

प्रदर्शन किया गया, जिससे ग्रामीणों को जल परीक्षण की प्रक्रिया एवं महत्व की जानकारी मिली। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही ग्राम में संचालित जल जीवन मिशन योजना को हर घर जल उत्सव के रूप में मनाते हुए ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किया गया।

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया जारी

राजनैतिक दलों को साप्ताहिक बैठक में दावा-आपत्ति सूची की विस्तृत जानकारी प्रदान

अद्यतन और त्रुटिरहित मतदाता सूची निर्माण के लिए सहयोग करने की अपील की

गरियाबंद। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में कार्य संशोधित कराया जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत 23 दिसम्बर 2025 को जिला गरियाबंद अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 54-राजिम के 298 मतदान केन्द्रों तथा 55-

बिन्दानवागढ़ के 306 मतदान केन्द्रों में प्रारूप मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। उक्त कार्यक्रम के तहत 22 जनवरी 2026 तक मतदाताओं से दावा, आपत्ति प्राप्त किये जाएंगे। अन-मैण्ड मतदाताओं को 22 जनवरी 2026 तक नोटिस भी जारी किया जायेगा। उक्त अवधि में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण 14 फ़रवरी 2026 तक किया जायेगा। इसके पश्चात् 21 फ़रवरी 2026 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। दावा-आपत्ति सुनुवाई अवधि के दौरान विधानसभा स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के द्वारा साप्ताहिक आधार पर राजनैतिक दलों के साथ प्राप्त दावा, आपत्तियों की सूची भी साझा किया जायेगा।

कार्यक्रम के तहत 20 जनवरी 2026 को जिले के अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय राजिम, देवभोग में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा चतुर्थ साप्ताहिक बैठक आहूत कर दावा, आपत्तियों की साप्ताहिक सूची (प्रारूप 9, 10, 11, 11ए, 11बी) की जानकारी प्रदाय की गई। साथ ही विधानसभा क्षेत्र 55-बिन्दानवागढ़ अंतर्गत साप्ताहिक आधार पर प्राप्त एवं एन्ट्री की गई तर्क-6,7 एवं 8 की जानकारी प्रदाय किया गया। प्रारूप 9 के प्रपत्र 6 में नाम शामिल करने के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची। प्रारूप 10 के प्रपत्र 7 में नामों को शामिल करने पर आपत्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची। प्रारूप 11 के आपत्तियों की सूची, प्रविष्टियों में सुधार के लिए आवेदन, एपिक के प्रतिस्थापन, पीडब्ल्यू बनाने के लिए आवेदन प्रपत्र 8 में प्राप्त हुए। प्रारूप 11ए - निर्वाचन क्षेत्र के भीतर पते में बदलाव के लिए प्रपत्र 8 में प्राप्त आवेदनों की सूची। प्रारूप 11बी - फ़ॉर्म 8 में प्राप्त निर्वाचन क्षेत्र से बाहर पते में बदलाव के लिए आवेदनों की सूची। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों से अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राजिम, देवभोग द्वारा अपील किया गया कि वे स्वयं पहल करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी कर एक अद्यतन, स्वच्छ एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची निर्माण में अपना सहयोग दें।



कलेक्टर ममगई ने की पंचायत विभाग की प्रगति समीक्षा

ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगई की अध्यक्षता में बीते दिवस 21 जनवरी 2026 को जिला पंचायत अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) पर विशेष जोर

बैठक के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि हितग्राहियों को किस्तों का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा हितग्राहियों द्वारा की गई शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने



यह भी निर्देश दिए कि जो हितग्राही आवास निर्माण में रुचि नहीं ले रहे हैं, उनसे राशि वसूली हेतु प्रकरण संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) को प्रेषित किए जाएं, ताकि शासन के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को बनाए रखने

के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।

मनरेगा से रोजगार सृजन और आजीविका पर बल

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने, ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने तथा आजीविका डायरी निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने वीबीजी-रामजी योजना

के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के अवसरों में वृद्धि होगी।

पंचायत अंतर्गत निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर निर्देश

बैठक में पंचायत अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अंत में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगई ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु निरंतर और प्रभावी प्रयास किए जाएं।

शासकीय योजनाओं के ऋण प्रकरणों का शीघ्र करें निराकरण कलेक्टर श्रीमती प्रजापति

मोहला। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिले की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने, आम नागरिकों को स्वरोजगार से जोड़ने, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने, कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने एवं शासकीय योजनाओं के अंतर्गत बैंक ऋण एवं शासन द्वारा प्रदत्त अनुदान से लाभान्वित लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए बैंक प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर, अपर कलेक्टर श्री जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर श्री मिथलेश डोंडे सहित संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें। बैठक में पीएम विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना, शिक्षा ऋण, हाउसिंग ऋण, बिहान, महिला स्व सहायता समूह, कृषि, पशुधन, मत्स्य, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उद्योग एवं खादी ग्रामोद्योग विभाग के विभिन्न सरकारी स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण वितरण की प्रगति, लंबित प्रकरणों और आम लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने को लेकर विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाया जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋण प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाए और बिना कारण आवेदन लंबित न रखे जाएं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के अंतर्गत बैंकों में लंबित प्रकरणों की बैंकवार समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि बैंक प्रतिनिधि आम नागरिकों से लंबित प्रकरणों के संबंध में निरंतर संवाद करें।

संक्षिप्त-खबर

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण की दिशा में जिले को मिली महत्वपूर्ण उपलब्धि

मोहला। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर राजाडोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी श्री जीतेन्द्र भुआर्य, चिखली से सुश्री लम्पी साहू, सिंघाभेड़ी से कामिनी बंजारे एवं केवटलोला से प्रियंका ताराम को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण हेतु चयनित किए जाने पर सम्मानित किया।

कलेक्टर ने कहा कि एनक्यूएस प्रमाणीकरण स्वास्थ्य संस्थानों की सेवाओं, स्वच्छता, प्रबंधन एवं मरीज-केंद्रित कार्यप्रणाली का प्रमाण है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण, अनुशासन और टीम भावना की सराहना की और भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता से कार्य करने को कहा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोबरागड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. राकेश वर्मा, समस्त जिला नोडल अधिकारी, सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन से ग्राम भालूकोन्हा के ग्रामीण जीवन में आई खुशहाली



राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम भालूकोन्हा में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण जीवन में उल्लेखनीय बदलाव आया है। कभी पेयजल संकट से जूझने वाला यह ग्राम आज हर घर में नल से शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। यह परिवर्तन न केवल बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने तक सीमित है, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन स्तर में व्यापक सुधार का प्रतीक बन गया है।

पूर्व में ग्राम भालूकोन्हा में पेयजल की आपूर्ति मात्र 6 हैण्डपम्पों पर निर्भर थी। ग्रोष्म ऋतु में जलस्तर नीचे चले जाने के कारण अधिकांश हैण्डपम्प सूख जाते थे, जिससे ग्रामीणों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ता था। शासन के जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में पाइपलाइन विस्तार, जल स्रोतों का संरक्षण तथा हर घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्य में ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे योजना का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन संभव हो सका।

ग्राम के प्रत्येक घर में नल के माध्यम से नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे विशेष रूप से महिलाओं को राहत मिली है। पानी लाने में लगने वाला समय बचने से वे आजीविका, बच्चों की शिक्षा एवं पारिवारिक देखभाल पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। जलजनित बीमारियों में कमी आई है, जिससे ग्रामीणों का स्वास्थ्य स्तर बेहतर हुआ है।

किसान कोयना ने धान बेचकर खरीदा ट्रैक्टर



बस्तर। बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है, जहाँ अब गोलियों की गूँज की जगह ट्रैक्टरों की आवाज़ और फूलों-फूलों की महक फैल रही है, क्योंकि किसान आधुनिक खेती और सरकारी योजनाओं से जुड़कर विकास की नई कहानी लिख रहे हैं, जिससे क्षेत्र में खुशहाली आ रही है। बस्तर कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे शासन के निर्देशों का पालन करें, जल संरक्षण में सहयोग दें तथा अवैध सिंचाई से बचें। जल संसाधन विभाग द्वारा जिले में निरंतर निगरानी रखी जा रही है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

छिंदगढ़ जनपद के किसान कोयना बघेल ने जैसे ही बिरसठपाल केंद्र में 50 क्विंटल धान बेचा, 3100 रुपया प्रति क्विंटल की दर से उनकी मेहनत की पूरी कमाई मात्र 48 घंटे के भीतर सीधे बैंक खाते में पहुंच गई। बिचौलियों की समाप्ति और समयबद्ध भुगतान ने किसान को इतना सशक्त बनाया कि उन्होंने अपनी जमा पूंजी से नया 'मैस्री फर्निस' ट्रैक्टर ड्राली के साथ खरीद लिया।

हितग्राही श्री कोयना बघेल ने बताया कि शासन की 31 सी रुपये में धान खरीदी व्यवस्था बहुत अच्छी है। इससे हम जैसे छोटे मध्यमवर्गीय किसानों को बहुत लाभ मिल रहा है। समर्थन मूल्य में धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को दिल से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

पहुंचविहीन ग्रामों में राशन पहुंचाकर वितरण कराने के लिए निर्देश

नक्सल पीड़ित परिवार के सदस्यों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

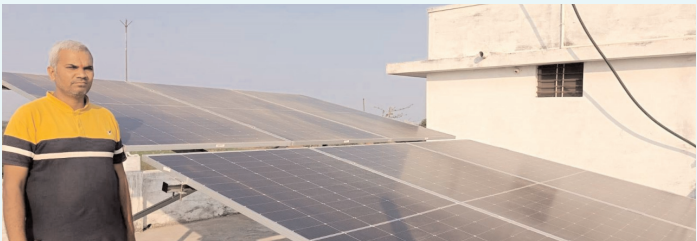
रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा गुरुवार को नारायणपुर जिला पंचायत के सभा कक्ष में जनप्रतिनिधियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित नियद नैल्शनार योजनांतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नियद नैल्शनार योजना क्षेत्र के



सरपंचों से सीधा संवाद कर गांव के विकास संबंधित जानकारी ली और इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास, जांब कार्ड, पेंशन योजना आदि की उपलब्धता

के संबंध में पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरपंचों से जानकारी ली और सरकार की योजनाओं को गांव के हर व्यक्ति तक पहुंचाये जाने हेतु अपील की। उन्होंने जिले में नियद नैल्शनार योजनांतर्गत आवास निर्माण की समीक्षा करते हुए श्री शर्मा ने प्रगतिरत आवासों को भी शीघ्र पूर्ण

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बड़ी राहत



ग्रामीण क्षेत्रों में जगमगाय घर-आंगन

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण अंचलों में आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के छोटे से ग्राम पारागांव खुर्द का बिजली बिल आता था। योजना की ला रही है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने का निर्णय लिया। सोलर पैनल स्थापना पर कुल 1 लाख 85 हजार रुपये की लागत आई, जिसमें से केंद्र सरकार द्वारा 1 लाख रुपये की अनुदान राशि मात्र 20 दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित कर दी गई।

है। श्री नेमीचंद वर्मा ने बताया कि वे संयुक्त परिवार में रहते हैं, जिसके कारण पहले बिजली की खपत अधिक थी। सामान्य दिनों में प्रतिमाह 1200 से 1800 रुपये तक तथा ग्रीष्म ऋतु में 2000 से 2200 रुपये तक का बिजली बिल आता था। योजना की लागत 1 लाख 85 हजार रुपये की लागत आई, जिसमें से केंद्र सरकार द्वारा 1 लाख रुपये की अनुदान राशि मात्र 20 दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित कर दी गई।

ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई करते पकड़े गए किसान, पम्प जप्त

शिवनाथ नदी से अवैध सिंचाई पर बड़ी कार्रवाई

बेमेतरा। ग्रीष्मकाल में जल संकट की स्थिति को देखते हुए अवैध जल दोहन पर सख्ती बरतते हुए जल संसाधन विभाग बेमेतरा द्वारा शिवनाथ नदी से की जा रही अवैध सिंचाई के विरुद्ध कार्रवाई की गई। विभागीय टीम ने तहसील बेरला अंतर्गत ग्राम बूढाजौंग में निरीक्षण के दौरान ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई करते हुए अवैध पम्प पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पम्प जप्त किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि संबंधित कृषक द्वारा विद्युत विभाग के पोल से कटिया तार



लगाकर अवैध विद्युत कनेक्शन के माध्यम से पम्प संचालित किया जा रहा था, जिससे शिवनाथ नदी के जल का

अनधिकृत उपयोग किया जा रहा था। यह कृत्य जल संसाधन अधिनियम एवं विद्युत अधिनियम दोनों का उल्लंघन करता है। आदेश जारी किया गया है। सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 22 जनवरी 2026 को प्रातः लगभग 9.40 बजे किल्ल क्रमांक-01 के डस्ट सेटलिंग चेंबर के द्वितीय तल में कार्य के दौरान अचानक विस्फोट

बलौदाबाजार में औद्योगिक हादसे पर सख्त कार्रवाई

रियल इस्पात एंड एनर्जी का किल्ल क्रमांक-01 सील

बलौदाबाजार - भाटापारा। जिले के अंतर्गत ग्राम धौराभाटा स्थित मेसर्स रियल इस्पात एण्ड एनर्जी प्रा. लि. के कारखाना परिसर में घटित भीषण औद्योगिक

दुर्घटना के मामले में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर सख्त कदम उठाया गया है। दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर कारखाना अधिनियम के तहत किल्ल क्रमांक-01 के संचालन एवं मेंटेनेंस सहित समस्त कार्यों पर तत्काल प्रतिबंध लगाए जाने का

आदेश जारी किया गया है। सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 22 जनवरी 2026 को प्रातः लगभग 9.40 बजे किल्ल क्रमांक-01 के डस्ट सेटलिंग चेंबर के द्वितीय तल में कार्य के दौरान अचानक विस्फोट

एवं गर्म ऐश की बौछार होने से 6 श्रमिकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जब कि 5 श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय डस्ट सेटलिंग चेंबर के भीतर लगभग 850 से 900 डिग्री सेल्सियस तापमान की गर्म ऐश को पोकिंग के माध्यम से नीचे गिराया जा रहा था। घटना की गंभीरता को

देखते हुए सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, बलौदाबाजार द्वारा उप संचालकों एवं अधिकारियों की संयुक्त टीम के साथ कार्रखाने का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुर्घटनास्थल की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई इस दौरान कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मर्थन मूल्य पर धान उपार्जन में बड़ी अनियमितता उजागर, दो राइस मिलों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी

बेमेतरा। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन व्यवस्था की पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से कलेक्टर बेमेतरा के निर्देशानुसार खाद्य, राजस्व एवं कृषि उपज मंडी समिति के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा जिले की विभिन्न राइस मिलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

संयुक्त जांच दल द्वारा प्रस्तुत तथ्यात्मक प्रतिवेदन के अनुसार जिले की दो राइस मिलों में गंभीर अनियमितताएँ सामने आई हैं। निरीक्षण के दौरान मेसर्स डुमरी एग्रोटेक, ग्राम अकोली,



विकासखंड बेरला में भौतिक स्त्यापन एवं अभिलेखीय मिलान करने पर मिल परिसर में 13,014.94 क्विंटल धान की कमी पाई गई। इसी प्रकार श्री बालाजी राइस मिल, आनंदगांव (भिंभौरी) में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कुल

11,600 कट्टा (4,480 क्विंटल) धान का उठाव दर्शाया गया था, जबकि जांच के समय मिल परिसर में मात्र 180 क्विंटल धान ही भौतिक रूप से उपलब्ध पाया गया। शेष धान के संबंध में मिल प्रबंधन द्वारा कोई भी संतोषजनक अभिलेखीय प्रमाण प्रस्तुत नहीं

किया जा सका। जिला प्रशासन ने दोनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ चावल उपार्जन आदेश के प्रावधानों के तहत संबंधित राइस मिलों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने यह भी बताया कि किसानों के हितों की रक्षा एवं उपार्जन व्यवस्था को पारदर्शिता बनाए रखने हेतु आगे भी जिले भर में सघन निरीक्षण अभियान एवं कड़ी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

वीबी जी-राम-जी गाँवों के सर्वांगीण एवं चोमुखी विकास के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है : गजेंद्र यादव



दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी की जिला भाजपा कार्यालय में विकसित भारत जी-राम-जी जनजागरण अभियान को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला एवं संपन्न भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई आयोजित बैठक में मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं वीबी राम जी के कार्यक्रम प्रदेश संयोजक यशवंत जैन, उनके सह वक्ता छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव रहे उनके साथ मंचासीन अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, विधायक ललित चंद्राकर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महापौर अलका बाघमार, जिला महामंत्री विनोद अरोरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा ,पूर्व विधायक डॉ बालमुकुंद देवांगन ,केंद्रीय नागरिक सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन,भाजपा जिला

मंत्री एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक गिरेश साहू, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत, सदस्य गण लालेश्वर साहू लोकमणी चंद्राकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक यशवंत जैन ने वीबी-जी राम जी पर विस्तार से चर्चा करते हुए ने कहा कि गाँवों के सर्वांगीण विकास के लिए यह एक महत्वपूर्ण योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 लाया गया है, जो देश के गाँवों को विकसित बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह अधिनियम किसानों, मजदूरों और गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास



ललित गर्ग

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है।

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गुंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यहां प्रभुत्व स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार



हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियां और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षड्यंत्र एवं कुचोछा ही दिखाई देता है। ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, उतना ही अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह

दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो। भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्त्राइल

से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता है। और ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय हड़में पहलेहू का मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; मेरसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का दांग और भी झूठ प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

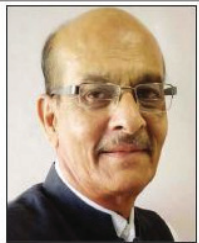
मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिसर्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिसर्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़,भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अमिकांडों व मानासनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। रासा जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में निक्क रिसर्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी।

चिंतन-मनन

जैसा सोचेंगे वैसा ही फल मिलेगा

यदि आपका मन प्रसन्न नहीं है तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप स्वयं हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुः ख से कोई संबंध नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसा ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा। हस्तरैका विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। आत्मेव ह्यात्मनो बन्धुरात्मेव विरुपात्मनः?।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकारात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरुष नावयन्म। यानी हे पुरुष ! तुझे ऊपर उठाना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और प्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।



सनत जैन

सो ना-चांदी नई ऊंचाई पर, रुपये का अवमूल्यन.. भारत का वित्तीय बाजार इन दिनों अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। एक ओर शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ सोने और चांदी की कीमतों रोजाना नया रिकॉर्ड बना रही हैं। इसी बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट होने से भारत में महंगाई और आयातित सामान की लागत बढ़ने से नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। शेयर बाजार में पिछले कुछ सत्रों में संसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली है। पिछले तीन-चार सत्रों में 20 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, अमेरिकी में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पश्चिम एशिया और यूरोप में भू-राजनीतिक तनाव तथा भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली ने भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। आईटी, बैंकिंग और



ललित गर्ग

आज लगभग पूरी दुनिया स्वार्थ, नफरत, ईर्ष्या, विद्वेष, धार्मिक व जातीय मतभेद, वर्चस्व व विस्तारवाद की आग में जल रही है। धर्म, जाति, भाषा वर्ग व समुदाय के आधार पर लोग एक दूसरे की जान के दुश्मन बने हुये हैं। ऐसे खतरनाक माहौल में केवल सतों व फकरों की शिक्षा उनके दिखाये गये मानवतावादी रास्ते, उनके परोपकारी विचार व उनकी संगत ही समाज को सचांग दिखा सकती है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के दरबार में गत 66 वर्षों से आयोजित होता आ रहा सप्ताह भर चलने वाला यह सर्व धर्म समगम एक ऐसा ही प्रयास है जहाँ हर धर्म व हर जाति के लोग प्रत्येक अस्था व विश्वास के लोग क्या अर्थात तो क्या गरीब, सभी समान रूप से शिरकत करते आ रहे हैं। प्रत्येक वर्ष इसी अवसर पर रामायण व भागवत गीता का अखंड पाठ आयोजित होता है साथ ही पवित्र गुरु ग्रन्थ साहब का अखंड पाठ भी रखा जाता है। इतना ही नहीं बल्कि प्रत्येक वर्ष उस-ए-मुबारक के अंतिम दो दिनों में यानी 19 व 20 जनवरी की रात सुफी संगीत व कच्वाली की महफिल भी सजाई जाती है। इस पवित्र स्थान की संस्थापक मर्द-ए-कलन्दर माता राम बाई अम्मी हुजूर जी का जीवन परोपकार, सर्वधर्म समभाव व मानवतावादी मूल्यों पर आधारित था। अम्मी हुजूर जी सतों व फकरीयों की शिक्षाओं का अनुसरण करने वाली एक सच्ची व आदर्शवादी फकरी थीं। और आज अम्मी हुजूर जी के वारिस व



मेटल जैसे प्रमुख सेक्टरों के शेयरों में मुनाफा वसूली से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भी भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जब तक वैश्विक स्तर पर इस तरह की अराजकता देखने को मिल रही है, तब तक बाजार में यह उतार-चढ़ाव बना रहेगा। शेयर बाजार की इस स्थिति को देखते हुए सोने और चांदी को सुस्थिति निवेश का विकल्प माना जा रहा है। वहीं शेयर बाजार की गिरावट से बैंकिंग सेक्टर में भी जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है, ऐसी स्थिति में निवेशक बैंक और

शेयर बाजार से अपना पैसा निकालकर सोने एवं चांदी में निवेश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के दाम रतिरत बढ़ रहे हैं। चीन से सबसे ज्यादा चांदी का निर्यात होता है। चीन सरकार ने चांदी के निर्यात पर लाइसेंस प्रणाली लागू कर दी है, जिसके कारण चांदी में भारी तेजी देखने को मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से घरेलू बाजार में सोना महंगा होता जा रहा है। चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल बना हुआ है। चांदी की औद्योगिक मांग और

समय की पुकार : सूफी विचारों का प्रसार

गद्दी नशीन शहजादा पप्पू सरकार द्वारा इसी सिलसिले व रिवायत को शानदार तरीके से अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। अपने निजी व्यापार तथा पारिवारिक व्यस्तताओं को छोड़ कर शहजादा पप्पू सरकार जी ग़त चालीस वर्षों से भी लंबे समय से पूरे समर्पण, श्रद्धा तथा विश्वास के साथ अपनी गद्दीनशीनी का कर्तव्य निभाते हुए अम्मी हुजूर तथा सखी सरवर बाबा सखी चंद जी के सपनों को साकार करते हुए इस स्थल को चंडीगढ़ के एक सबसे विशाल, आकर्षक तथा सर्वधर्म समभाव के राष्ट्रीय प्राचीन विघटनकारी दकियामूसी परंपराओं को समाप्त करने की दिशा में भी कार्य करता है। सहभोज या सामूहिक लंगर व भंडारा इसी दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम है। सप्ताह भर चलने वाले इस पूरे आयोजन में सभी धर्मों के लोगों का एक साथ मिल-बैठ कर किसी धार्मिक समायम में शिरकत करना जहां अपने-आप में एक अनूठा प्रयास है बल्कि यह इस समय पूरे देश व दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत भी है। आज जहां हमारे देश में अनेक ऐसी शक्तियां सक्रिय हैं जो लोगों को धर्मों व जातियों के नाम पर लड़वा रही हैं। वहीं शहजादा पप्पू सरकार की गद्दीनशीनी में संचालित होने वाला राम दरबार, भारत का एक ऐसा गौरवपूर्ण स्थान है जहाँ हर धर्म व समुदाय के लोग पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ अपने शीश झुकाते हुए नजर आते हैं।

राम दरबार एक ऐसा स्थान है जहाँ विभिन्न धर्मों, आस्थाओं तथा विश्वासों को लेकर टकराव अथवा विवाद की बात नहीं होती बल्कि यहां मानवता का संदेश दिया जाता है। यहाँ धर्म की रूढ़िवादी व अतिवादी मान्यताओं से अलग हटकर सहनशीलता, मानवता, प्रेम, सद्भाव तथा परस्पर भाईचारे को सबसे अधिक अहमियत दी जाती है। राम दरबार के भक्तगण एक-दूसरे के खाने, पहनने, उदरक धार्मिक पूर्वाग्रहों पर न तो चर्चा करना चाहते हैं न ही इन्हें परस्पर विवाद या चर्चा का विषय समझते हैं। शहजादा पप्पू सरकार इस आयोजन के संबंध में फरमाते हैं कि 'कुँछ मानवता धर्म से कहीं ज्यादा बड़ी चीज है इसलिए सभी धर्मों के लोगों को अपने-अपने धर्म के उसी स्वरूप को मानना चाहिए तथा उन बातों पर अमल करना चाहिए जो हमें मानवता, प्रेम, सद्भाव, सहयोग तथा भाईचारे की सीख देती हों। यदि किसी भी धर्म का मानने वाला कोई भी व्यक्ति धार्मिकता का चोला लपेटकर समाज में जहर फैलाए, समाज को धर्म के नाम पर विभाजित करने की कोशिश करे, देश को धर्म व जाति के नाम पर बांटने या तोड़ने की कोशिश करे, धर्म के नाम पर हिंसा, आगजनी, हत्या तथा लूटपाट को प्रोत्साहित करे या धर्म को धन संग्रह करने का धंधा बनावे, ऐसा व्यक्ति धार्मिक कहने योग्य ही नहीं है। देश के अमनपसंद लोगों को ऐसे फिरका परस्त व सांप्रदायिकतावादी, लोभी, स्वार्थी, दुराशरीर तथा व्याभिचारी किस्म के तथाकथित स्वयंभू धर्मगुरुओं से दूर रहना चाहिए। और एक सच्चे व अच्छे इंसान को हमेशा यही कोशिश करनी चाहिए कि वह प्रत्येक माध्यम से संसार में मानवता व भाईचारे की शमा रौशन करे। दरबार की संस्थापक मर्द कलन्दर अम्मी हुजूर के तेज, उनके प्रताप व चमत्कारों से जहाँ चंडीगढ़ के आम लोग, प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता, अनेक राजघरानों के लोग, बुद्धिजीवी व उद्योगपति वर्ग के लोग प्रभावित होते थे वहीं मुंबई की फिल्म नगरी के अनेक प्रमुख लोग भी राम दरबार के मोह से अछूत

निवेश देनों में मांग बढ़ रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, ट्रंप के टैरिफ एवं उनकी आक्रामक नीतियों के कारण आर्थिक जगत में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक यदि बैंक ब्याजदरों में कटौती करता है तो ऐसी स्थिति में, आने वाले महीनों में सोने-चांदी की कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। सोने एवं चांदी में जिस तरह से सट्टेबाजी बढ़ गई है, उसके कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये का लगातार कमजोर होना, भारत की आर्थिक स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। कच्चे तेल, खाद्य तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान, आयातित उत्पाद लगातार महंगे हो रहे हैं। रुपये के अवमूल्यन से निर्यातकों को राहत जरूर मिली है, लेकिन आयात के मुकाबले भारत का निर्यात बहुत कम है। आम उपभोक्ता के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार में यदि सुधार नहीं हुआ, डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत नहीं हुआ, रुपये पर इसी तरह का दबाव यदि आगे भी बना रहा तो भारत के लिए आर्थिक स्थिति बहुत चिंतनीय होगी। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने यह समय सबसे चुनौतीपूर्ण है। शेयर बाजार की गिरावट से निवेशकों विशेष रूप से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान हुआ है। आने वाले समय में सरकार की नीतियां, नए साल का बजट रिजर्व बैंक की नीतियां और वैश्विक परिस्थितियां भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनकर सामने आ रही हैं। यह अस्थिरता कब तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है।

नहीं रहे। अम्मी हुजूर जी द्वारा सर्वधर्म संभाव व सांप्रदायिक सोहार्द की मशाल रौशन करने का फिल्म जगत के लोगों पर इतना प्रभाव पड़ा कि न केवल दरबार में विशेष हाजिरी लगाने के लिये बल्कि जब कभी फिल्मी दुनिया के लोग अपनी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में भी चंडीगढ़ अथवा हिमाचल प्रदेश आते-जाते तो उनका पड़ाव राम दरबार ही रहता था। वे लोग राम दरबार में ही अम्मी हुजूर के सानिध्य में रहकर यहां का पवित्र व लजीज लंगर ग्रहण करते तथा बल्कि 'अम्मी हुजूर ' से अपनी फिल्में की व शूटिंग की सफलता के लिए आशीर्वाद लेते तथा कव्वालियों सुना करते थे। मर्द-ए-कलन्दर माता राम बाई 'अम्मी हुजूर ' जी के फिल्म जगत के अनेक भक्तों में एक प्रसिद्ध अभिनेता दादा साहब फाल्के अबाई विजेता प्रसिद्ध अभिनेता 'प्राण ' भी थे। सादा जीवन उच्च विचार की प्रतिमूर्ति अम्मी हुजूर जी हमेशा चंडीगढ़ व आस पास प्रायः अपने निजी रिक्षे पर ही आना जाना पसंद करते थे। परन्तु अपने शिष्य शहजादा पप्पू सरकार जी के निवेदन पर उन्होंने दरबार में जब पहली कार लेने का विचार किया तो अभिनेता 'प्राण ' ने ही दरबार में पहली फिएट कार जून 1981 में 'अम्मी हुजूर ' जी को तोहफे में पेश की थी। दरअसल आज हमारे देश को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को किसी कट्टरपंथी विचारधारा या संकीर्णतावादी धर्म सोच या विश्वास की नहीं बल्कि मर्द-ए-कलन्दर माता राम बाई अम्मी हुजूर जी जैसे मानवतावादी व परोपकारी फकरों की सींच का अनुसरण करने की जरूरत है ताकि दुनिया में अमन शांति प्रेम भाईचारा व सद्भाव का पैगाम पहुंचाया जा सके। आज दरबार के गद्दीनशीन शहजादा पप्पू सरकार जी के अथक प्रयासों से अपने गुरु मर्द-ए-कलन्दर माता राम बाई 'अम्मी हुजूर ' जी की स्मृति में बनाया जाने वाला चंडीगढ़ का यह आलीशान 'राम दरबार ' भवन व उनकी यादों का संचालित करने की कोशिशें रहती दुनिया तक लोगों को प्रेम सद्भाव भावधारा व सामाजिक एकता का सन्देश देती रहेगी।



धनुष और मृणाल ठाकुर नहीं कर रहे शादी!

मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी को लेकर खबरें जोरों पर हैं। दोनों ने इस बात को लेकर कुछ नहीं कहा लेकिन फैस एक्साइटेड हो गए हैं। हालांकि, नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ये बातें निराधार हैं और इनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है।

धनुष और मृणाल ठाकुर की शादी शुक्रवार की सुबह फैस को खबर मिली कि एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और धनुष फरवरी 2026 में शादी करने वाले हैं। जैसे-जैसे यह खबर फैलती गई, फैस ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब पता चला है कि फैस को इस खुशी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। नई जानकारी के अनुसार, इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्र ने बताया, मृणाल की शादी अगले महीने नहीं हो रही है। यह एक अफवाह है जो फैल चुकी है। सूत्र ने आगे बताया कि मृणाल की फिल्म दो दीवाने शहर में की रिलीज भी उसी डेट के आसपास है, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं।

मृणाल ठाकुर से नहीं हो रही धनुष की शादी

सूत्रों के अनुसार, फरवरी में उनकी एक फिल्म रिलीज होने वाली है, तो वो रिलीज के इतने करीब शादी क्यों करेंगे? और फिर मार्च में उनकी एक और तेलुगु फिल्म रिलीज होने वाली है। मृणाल और धनुष काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब और कैसे शुरू हुआ ये सब

यह सब अगस्त 2025 में शुरू हुआ, जब मृणाल अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के प्रीमियर पर धनुष के आने पर उनसे मिलने दौड़ पड़ी। इस पर इंटरनेट यूजर्स ने खूब तारीफ की और कहा कि धनुष खास तौर पर मृणाल को सपोर्ट करने के लिए स्क्रीनिंग में आए थे।



एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ सकती हैं कृति शेटी



दक्षिण भारतीय फिल्म एक्ट्रेस कृति शेटी, बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा। चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेटी नजर आएंगी।

इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है। मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेट बैकग्राउंड देगा। मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का कोई टाइटल डिसाइड नहीं हुआ है। पूरी कास्ट और कर्क के बारे में और ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। बता दें कृति ने सुपर 30, एआरएम, श्याम सिंह राय, द वॉरियर, उप्पेना और बंगाराजू जैसी फिल्मों में काम किया है।

विक्रम फडनीस की फिल्म में लीड रोल प्ले करेंगी सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत एक नए और खास प्रोजेक्ट के साथ करने जा रही हैं। वह मशहूर फैशन डिजाइनर से निर्देशक बने विक्रम फडनीस की अगली अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह सैयामी के करियर का एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। यह फिल्म एक इमोशनल ड्रामा है, जिसमें सैयामी लीड रोल निभा रही हैं। उनके साथ विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट का निर्माण रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म की घोषणा करते हुए

सैयामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सेट से पहली झलक साझा की। तस्वीर में वह फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और आज हर खामोश दुआ अपने घर पहुंच गई। नया साल, नई शुरुआत। हमेशा की तरह मुझे आप सभी की दुआओं की जरूरत है। इस पोस्ट से सैयामी की खुशी और उत्साह साफ झलक रहा है। इस फिल्म के जरिए विक्रम फडनीस निर्देशन में अपनी तीसरी फिल्म बना रहे हैं, जबकि यह उनकी पहली हिंदी निर्देशित फिल्म होगी। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि 2026 की इससे बेहतर शुरुआत वह नहीं चाह सकती थीं। इस फिल्म में सैयामी खेर के अलावा विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

किताब ब्लैक रिवर पर बेस्ड होगी सैफ की अगली फिल्म

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान हमेशा से ही अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वह दर्शकों के लिए कुछ खास लेकर आने की तैयारी में हैं। आने वाले दिनों में सैफ फिल्म हैवान में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच सैफ अली खान ने अपनी एक नई फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी साझा की है। एक्टर ने बताया कि उनकी अगली फिल्म एक क्राइम-ड्रामा होगी, जो एक मशहूर उपन्यास पर बेस्ड है। सैफ ने खुलासा किया कि उन्होंने लेखिका निलंजना राय की किताब ब्लैक रिवर के फिल्मों राइट्स खरीद लिए हैं। सैफ के मुताबिक... ब्लैक रिवर उनकी पसंदीदा किताबों में से एक है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि फिल्म बनने की प्रक्रिया में थोड़ा समय लग रहा है। बता दें कि सैफ को आखिरी बार फिल्म ज्वेल थीफ में देखा गया था। इसके अलावा सैफ को आखिरी बार ज्वेल थीफ में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।



ऑडियंस एजेंडे के साथ फिल्म देखने नहीं आती है

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है। अमर उजाला डिजिटल से की गई बातचीत में रानी ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है।

ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ थिएटर नहीं आती ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूँ।

इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती

मैं दिल से मानती हूँ कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूँ।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूँ कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। (हंसते हुए) सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

बेटी को सोशल मीडिया से दूर रखा है

रानी मुखर्जी से जब उनकी बेटी अदिरा के सोशल मीडिया पर होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि बेटी अभी बहुत छोटी है। रानी की बेटी सोशल मीडिया पर नहीं है।

कॉमेडी में नैतिकता अहम है

रकुल प्रीत सिंह जल्द ही आयुष्मान खुराना और दो एक्ट्रेस के साथ फिल्म पति पत्नी और वो 2 में नजर आने वाली हैं।

सीकल की शुरुआत कैसे हुई?

सच कहूं तो मैं पार्ट 2 को लेकर पहले दिन से ही बेहद उत्साहित थी। पहले पार्ट के अंत में ही कहानी को एक दिलचस्प मोड़ पर छोड़ा गया था, जहां आयशा का नायक के परिवार से मिलना तय था। मैं मजाक में अक्सर लव रंजन से पूछती रहती थी सर, पार्ट 2 कब बनेगी? लेकिन कोविड के चलते चीजें टलती रहीं। जब लव सर और अंशुल सर ने बताया कि वे स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नरेशन सुनते ही स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत हां कर दी। फिल्म में कॉमेडी सिर्फ संवादों में नहीं, बल्कि परिस्थितियों में भी है, जो इसे एक शानदार फैमिली एंटरटेनर बनाती है।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग कितनी पूरी हुई है?

फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। कुछ गाने और कुछ छोटे-मोटे पैचवर्क बाकी हैं, लेकिन हम जल्द ही इसे पूरा कर लेंगे। यह भी एक बहुत ही मजेदार प्रोजेक्ट होने वाला है।

क्या आप मल्टी-स्टारर फिल्मों को लेकर अब ज्यादा चुनौती हो गई है?

इस दौर में मेरे लिए सबसे अहम चीज इम्पैक्ट है। मुझे मल्टी-स्टारर फिल्मों से कोई परहेज नहीं है। पति, पत्नी और वो 2 भी एक मल्टी-स्टारर फिल्म है। मेरे लिए यह ज्यादा मायने रखता है कि मेरा किरदार कहानी में क्या योगदान दे रहा है। हर फिल्म आपके कंधों पर टिकी हो, यह जरूरी नहीं, लेकिन हर फिल्म में आपका किरदार यादगार होना चाहिए।

अजय के साथ बॉन्डिंग कैसी रही?

अजय सर को अक्सर फैंकस्टर कहा जाता है, लेकिन यकीन मानिए न तो पहले पार्ट में और न

ही इस बार उन्होंने मेरे साथ कोई फैंक किया। वह खुद मजाक में कहते हैं कि मैं बचपन में फैंक करता था, अब शांत हो गया हूँ। उनके साथ काम करना सीखने जैसा होता है। वे बेहद सहज हैं और सेट पर माहौल हल्का रखते हैं, जिससे कलाकार खुलकर परफॉर्म कर पाते हैं।

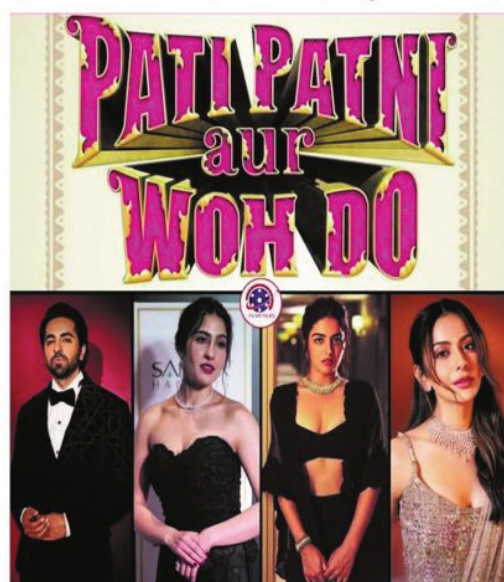
आप किस तरह से किरदार की तैयारी करती हैं?

मेरा तरीका बहुत सरल है। जब मैं किसी सीन में होती हूँ, तो सिर्फ उस पल और उस किरदार के भावनात्मक सच पर ध्यान देती हूँ। मैं कभी यह सोचकर अभिनय नहीं करती कि मुझे यहां अछूत दिखना है।

क्या फिल्मों में शादीशुदा महिला के रिश्ते को भारतीय दर्शक स्वीकार करेंगे?

मुझे नहीं लगता कि हमारी

ऑडियंस अभी इस तरह के प्लॉट के लिए पूरी तरह तैयार है। पति पत्नी और वो जैसी फिल्मों में पुरुष की चालाकी और उसकी उलझनों से कॉमेडी पैदा होती है, जिसे दर्शक मनोरंजन के तौर पर देख लेते हैं। लेकिन अगर कोई कहानी नैतिक रूप से गलत लगती है, तो फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला, दर्शक उसे आसानी से स्वीकार नहीं करते। महिला के लिए ऐसा प्लॉट फिलहाल स्वीकार्य होना मुश्किल लगता है।





कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल है। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिग्भर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

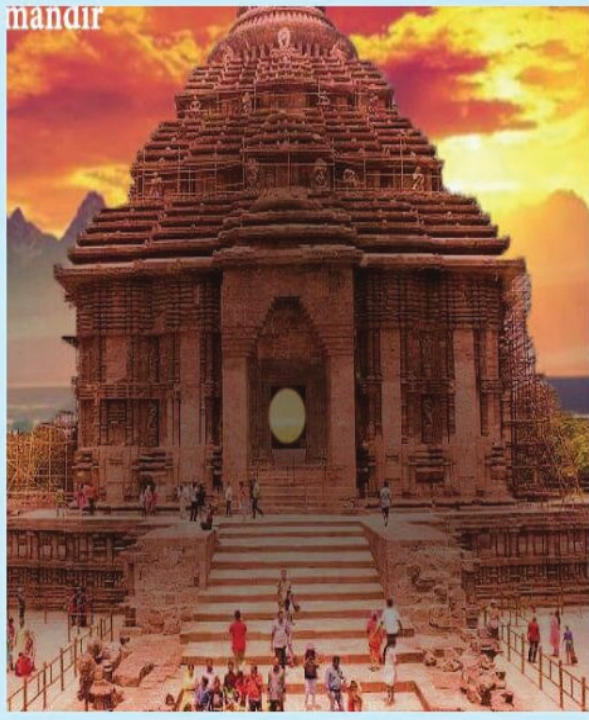
कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएँ

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गूट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।



गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य



भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकामना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को



बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं- मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी। कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे

समुद्र की आवाज सुनाई देती है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूँढ़ने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी। ऐसी मान्यता है कि यह वही छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है। श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है। श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।



गया था। एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नजारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहें हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला : स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढँककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मजा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग : धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली : उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वर्णलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी : शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सेलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मजा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मजा लेना है तो कुफरी जरूर जाएं।

कुल्लू-मनाली : पॉपुलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मजा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों को तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

महापौर,आयुक्त ने 15 पात्र आश्रितों को सौंपे अनुकम्पा नियुक्ति पत्र

अनुकम्पा नियुक्ति से आश्रित परिवारों को मिला आर्थिक व सामाजिक संबल,

दुर्ग। नगर पालिक निगम ङबसंती पंचमी के पावन अवसर पर नगर निगम महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा ने निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं ङन्होंने माँ सरस्वती से सभी के जीवन में ज्ञान, विवेक, सुख-समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस क्रम अज मोतीलाल सभागार में अनुकम्पा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल,सभापति श्याम शर्मा द्वारा दिवंगत शासकीय सेवक के आश्रित परिवारों के 15 पात्र सदस्यों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम परिवार अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ा है।



उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान एवं सेवा उपरांत कर्मचारियों व उनके परिवारों की चिंता करना निगम की नैतिक जिम्मेदारी है। अनुकम्पा नियुक्ति न केवल आर्थिक संबल प्रदान करती है, बल्कि आश्रित परिवारों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर भी देती है।

महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट किया कि नगर निगम कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े सभी विषयों का निराकरण प्राथमिकता से किया जा रहा है और यह प्रक्रिया भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। इन 15 हितग्राहियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्रों के अवसर

पर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम अपने कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिवारों के हितों के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है।

सभापति श्याम शर्मा ने कहा अनुकम्पा नियुक्ति के माध्यम से पात्र परिवारों को आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलता है।

साथ ही इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल,सभापति श्याम शर्मा व वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे,सामान्य प्रशासन प्रभारी मनीष साहू ने अनुकम्पा

इन पदों पर मिली अनुकम्पा नियुक्ति

15 हितग्राहियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र नगर पालिक निगम द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के अंतर्गत कुल 15 पात्र हितग्राहियों को मुख्य पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति प्राप्त करने वालों के नाम इस प्रकार हैं,

1)महेंद्र सागर - गुरु
2)आरुष धनकर - गुरु
3)कु. हर्षा धनकर - गुरु
4)विकास पात्रे - गुरु
5)टी. साईराम - गुरु
6)देवेंद्र कुमार यादव - गुरु
7)एन. कृष्णा - गुरु
8)लल चावरे - गुरु
9)जी. विजय - गुरु
10)श्रीमती नेहा गोस्वामी - गुरु
11)कु. कविता ठाकुर - गुरु
12)गुणश्याम यादव - गुरु
13)सुनील बंगारे - गुरु
14)श्रीमती गायत्री निषाद - गुरु,15)कु. सीमा यादव डू गुरु कुल 15 हितग्राहियों को अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ प्रदान किया गया।

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को भी बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिना निगम अनुमति एयरटेल केबल बिछाने पर कार्रवाई, कार्य को कराया तत्काल बंद

एयरटेल द्वारा केबल बिछाने में निगम पाइपलाइन

क्षतिग्रस्त, सामग्री जल

दुर्ग। नगर पालिक निगम अंतर्गत कालुलबोर्ड में एयरटेल कंपनी द्वारा केबल बिछाने के दौरान नगर निगम की पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम अमला तत्काल मौके पर पहुंचा।

महापौर व आयुक्त के निर्देशानुसार कार्यपालन अभियंता प्रकाशचंद थावनी एवं सहायक अभियंता गिरीश दीवान के नेतृत्व में



उपअभियंता विनोद मांझी, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार सहित निगम की टीम द्वारा

एयरटेल केबल बिछाने का कार्य तत्काल बंद करवाया गया तथा मौके से केबल सामग्री को जब्त किया

गया। बताया गया कि एयरटेल कंपनी द्वारा जिला कार्यालय से अनुमति प्राप्त की गई थी, किन्तु नगर

सिरसा एवं खुर्सीपार में दो फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को मिली स्वीकृति

यातायात व्यवस्था सुधार एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

दुर्ग। जिले में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल भी शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय



अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर एवं स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि हाईवा वाहनों में निर्धारित मानकों के अनुरूप

रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही सविक क्षेत्रों में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध हेतु यूनिपोल लगाने के निर्देश भी दिए गए। लोक निर्माण विभाग (एनएच) के अधिकारी ने बताया कि सिरसा एवं खुर्सीपार में दो फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है, जिसके

निर्माण से इन क्षेत्रों में यातायात जाम की समस्या से राहत मिलेगी। फ्लाईओवर बनने के बाद वाहनों का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा, सड़क दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी तथा आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी। इसके अलावा सुपेला मार्केट क्षेत्र में सड़क पर अवैध पार्किंग कराने वाले पार्किंग ठेकेदारों के विरुद्ध वाहन जब्त की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सड़क किनारे किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में पूर्व बैठक की पावन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा की गई, जिसमें अधिकारियों ने पूर्ण कार्य, अद्यतन प्रगति एवं की गई विभागीय कार्यवाही की जानकारी दी।

जीरामजी योजना से बदलेगी ग्रामीण आजीविका की तस्वीर

दुर्ग। ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों की आय बढ़ाने तथा स्थायी आजीविका के साधनों को सुदृढ़ करने की दिशा में जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए जिले में 54 आजीविका डबरी निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह योजना विभिन्न विभागों के कर्मजनों के माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे ग्रामीण परिवारों को बहुआयामी लाभ प्राप्त होगा।

यह लक्ष्य जीआईएस बेस्ड प्लानिंग के तहत सेटेलाइट डेटा के आधार पर तय किया गया है, जिससे डबरी निर्माण के उपयुक्त स्थलों का वैज्ञानिक चयन सुनिश्चित किया जा सके। आजीविका डबरी के निर्माण से वर्षा जल संचयन, भू-जल रिचार्ज तथा खेतों की सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी। इससे खरीफ एवं रबी दोनों फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी। साथ ही पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों के माध्यम से किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर भी प्राप्त होंगे। स्व-सहायता समूहों की दीर्घियों के लिए यह योजना विशेष रूप से लाभकारी है। आजीविका डबरी निर्माण से खेती-किसानी से जुड़े कार्यों में सहभागिता बढ़ेगी तथा आजीविका सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी।

भिलाई। बसंत पंचमी के अवसर पर सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण पर दीप प्रज्वलन किया गया। दिव्य अनुभूति विद्यालय, कोहका द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं का सम्मान किया गया।

इसके उपरांत आए हुए अतिथियों का स्वागत प्राचार्य जेपी घनशेकरकर द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि रजनी बघेल ने आंगनबा कार्यकर्ता का दिव्य अनुभूति विद्यालय व महेश वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष भा ज पा भिलाई द्वारा सम्मान किया और कहा कि आप सभी सरकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका आप सभी की होती है! आपका योगदान महत्वपूर्ण है। महेश



वर्मा ने कहा कि बसंत पंचमी पर विद्यालय प्रबंधन का यह प्रयास सराहनीय है। भाजयुमो प्रदेश प्रमुख आईटी अमित मिश्रा ने कहा कि बसंत पंचमी का यह त्योहार प्रकृति में नई ऊर्जा और उल्लास का प्रतीक है, जो जीवन में ज्ञान और रचनात्मकता लाने का संदेश देता है। शीत ऋतु के अंतिम

और बसंत ऋतु के आरम्भ में शुक्ला पक्ष की पंचमी को यह त्यौहार मां सरस्वती की पूजा अर्चना किया जाता है। हरिभूमि के संदीप उपाध्याय ने स्कूल प्रबंधन के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पर पढ़ने वाले छात्रों को शिक्षा के साथ संस्कार भी सिखाए जाते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती

सेल स्थापना दिवस पर रन फॉर सेल दौड़ का आयोजन



आलोक कुमार और अवि मिश्रा बेस्ट टाइमिंग के साथ विजेता रहे

भिलाई। भारत की इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-सेल के स्थापना दिवस (24 जनवरी) को सेल की सभी इकाइयों में भव्य रूप से मनाया जाता है। सेल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 जनवरी 2026 को जयंती स्टेडियम, इंदिरा प्लेस में 5 किमी पैदल चाल/दौड़ का आयोजन प्रातः 8:00 बजे से किया गया, जो जयंती स्टेडियम से

प्रारम्भ होकर टीए बिल्डिंग, पोस्ट ऑफिस, मिराज सिनेमा, भिलाई निवास, चोपड़ा पेट्रोल पम्प होते हुए वापस जयंती स्टेडियम में समाप्त हुआ। इस दौड़ में भाग लेने हेतु लगभग 3000 की संख्या में प्रतिभागी उपस्थित हुए थे। प्रतियोगिता में सेल कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य तथा सेल द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं ने भाग लिया था। रन फॉर सेल के प्रतिभागियों को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र ने सेल की झंडी दिखाकर रवाना किया।

संक्षिप्त-खबर

आवास निर्माण की गुणवत्ता और आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल, जिले में मनरेगा मजदूरों को राजमिस्त्री प्रशिक्षण



दुर्ग। जिले में आवास निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और ग्रामीण हितग्राहियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। महत्वा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत मजदूरों को राजमिस्त्री कार्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मनरेगा के तहत संचालित प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पंचायत धमदा की ग्राम पंचायत नंदवात में स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण से पूर्व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से हितग्राहियों की काउंसलिंग कर उनकी रुचि के अनुसार चयन किया गया। सहायक परियोजना अधिकारी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप संपादित करने संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में सभी 35 पुरुष हितग्राही सक्रिय रूप से भाग लिए। प्रशिक्षण अवधि के दौरान हितग्राहियों को मनरेगा अंतर्गत 261 रूपए प्रतिदिन की दर से मजदूरी का भुगतान किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर श्री ओमप्रकाश निर्मकर द्वारा आवास निर्माण में मजबूती हेतु निर्माण सामग्री के उचित अनुपात, कार्य की समय-सीमा, आवश्यक सावधानियों एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

किसानों को 1,02,985.00 लाख रुपये ऑनलाइन भुगतान

दुर्ग। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी सुव्यवस्थित जारी है। साथ ही उपाजर्जन केन्द्रों से धान के उठाव में तेजी आई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकारी की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार उपाजर्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 1,15,127.50 लाख रूपए की लागत में 4,85,675.16 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 96410 किसान लाभान्वित हुए हैं। उपाजर्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। उठाव हेतु 2,40,735.14 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है। अब तक उपाजर्जन केन्द्रों से 1,77,296.02 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है। सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था में किसान भी सहभागी बनते हुए धान बेचने के पश्चात् रकबा समर्पण करने आगे आ रहे हैं। जिससे बिचौलियों को अपनी धान खपाने का अवसर नहीं मिला है। जिले में अब तक धान बेच चुके 55080 कृषकों ने 2,142.67 हेक्टेयर रकबा समर्पण कर चुके हैं। उपाजर्जन केन्द्रों में धान बेचने के लिए पहुंचने वाले किसानों हेतु जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किया गया है। निर्माण में उपाजर्जन केन्द्रों में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है। इसके तहत केन्द्रों में 17,55,129 बारदाने उपलब्ध है।

सेल स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई स्टील हाफमैराथन के पोस्टर को जारी किया



भिलाई। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित की जाने वाली भिलाई स्टील हाफमैराथन 2026 के आधिकारिक पोस्टर को संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र ने सेल के स्थापना दिवस, 24 जनवरी 2026 के अवसर पर जयन्ती स्टेडियम में आयोजित 'रन फॉर सेल' कार्यक्रम के दौरान जारी किया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री अजय कुमार चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्रवण कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री प्रवीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (खदान), सीएमएलओ श्री कमल भास्कर तथा कार्यपालक निदेशक (रावघाट), सीएमएलओ श्री अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधकएण एवं क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संयंत्र द्वारा खेल, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में रविवार, 08 फरवरी 2026 को भिलाई स्टील हाफमैराथन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन स्टील सिटी भिलाई के लिए एक गौरवपूर्ण अवसर होने के साथ-साथ देशभर के धावकों एवं फिटनेस प्रेमियों के लिए एक प्रेरणादायी मंच प्रदान करेगा।

मेरे सपनों का कवर्धा' ' शहर विकास का नया विजन- चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

कवर्धा। आज मैं आपसे भाषण देने नहीं, संवाद करने आया हूँ। आज का दिन मेरे जन्मदिन का नहीं, कवर्धा के भविष्य का मंच है शहर सरकार या पक्षलों का नहीं, हम सबका होता है और इसी सोच को जगाने के लिए 'मेरे सपनों का कवर्धा' शुरू किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने पारंपरिक भाषण देने के बजाय जनसंवाद का मार्ग अपनाते हुए नागरिकों और विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा आयोजित मेरे सपनों का कवर्धा

कार्यक्रम स्थानीय पीजी कॉलेज सभागार में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की परिकल्पना नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी द्वारा की गई, जिसका उद्देश्य शहर के विकास में आम नागरिकों एवं युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। मेरे सपनों का कवर्धा अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी के साथ-साथ अन्य विधाओं का सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें बच्चों ने आकर्षक

वेशभूषा के साथ अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर पुरस्कार हासिल किये। कार्यक्रम के दौरान कवर्धा से संबंधित प्रश्नोत्तरी (क्रिज़ प्रतियोगिता) का आयोजन भी किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को

ऐतिहासिक बना दिया। इसी तरह सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कवर्धा, द्वितीय पुरस्कार अशोका पब्लिक स्कूल, कवर्धा एवं तृतीय पुरस्कार गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा एवं रामकृष्ण पब्लिक स्कूल कवर्धा के छात्र-छात्राओं को प्रदान किया गया। प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई थी पहली श्रेणी आम नागरिकों के लिए तथा दूसरी श्रेणी कक्षा 10वीं से ऊपर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये, जिसमें प्रतिभागियों ने

निबंध में कवर्धा नगर के विकास, स्वच्छता, हरियाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क सुरक्षा, यातायात, संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता एवं नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किया। जिसमें प्रथम पुरस्कार-नरेंद्र प्रसाद कल मित्र, द्वितीय पुरस्कार-श्रीमती अनीता जायसवाल, तृतीय पुरस्कार-विजेंद्र साहू, विशेष सम्मान पुरस्कार आदित्य शीवास्त्व, आकाश आहूजा, जितेंद्र सिंह ठाकुर (सर) को प्रदान किया गया।

विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किया। जिसमें प्रथम पुरस्कार-नरेंद्र प्रसाद कल मित्र, द्वितीय पुरस्कार-श्रीमती अनीता जायसवाल, तृतीय पुरस्कार-विजेंद्र साहू, विशेष सम्मान पुरस्कार आदित्य शीवास्त्व, आकाश आहूजा, जितेंद्र सिंह ठाकुर (सर) को प्रदान किया गया।

नवा रायपुर को आईटी एवं स्टार्ट-अप हब बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

एसटीपीआई के सहयोग से नवा रायपुर में 04 नए सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप की होगी स्थापना

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी, नवाचार एवं स्टार्ट-अप परिस्थितिकी तंत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय, रायपुर में आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक में नवा रायपुर अटल नगर में चार नवीन सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (एड्डुहेल्थ श्रद्ध श्रद्धेय-श्रद्धेय-श्रद्धेय-श्रद्धेय) की स्थापना हेतु सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के साथ एमओयू के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

मंत्रिपरिषद का यह निर्णय छत्तीसगढ़ को आईटी-आईटीएस, स्टार्ट-अप, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास

तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था है, जिसकी स्थापना देश में आईटी-आईटीईएस उद्योग एवं तकनीकी स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है। वर्तमान में एसटीपीआई के देशभर में 68 परिचालित केंद्र हैं, जिनमें से अधिकांश टियर-2 एवं टियर-3 शहरों में स्थित हैं।

एसटीपीआई द्वारा पूरे भारत में 24 डोमेन-विशिष्ट उद्योगिता केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं, जो स्टार्ट-अप को इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग सपोर्ट, तकनीकी मार्गदर्शन एवं बाजार से जुड़ने में



सहयोग प्रदान करते हैं। नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़ शासन के अधीन नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित भारत की पहली ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी

है। 237 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकसित यह नगर थीम-आधारित सेक्टरों, अत्याधुनिक अधोसंरचना एवं शासकीय-शैक्षणिक संस्थानों से युक्त है। यहाँ महानदी भवन, इंद्रावती

भवन, आईआईआईटी, विधानसभा, हिरायातुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर तथा आगामी भारत का प्रथम निजी एआई आधारित

विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थित है। ऐसे में एसटीपीआई के सहयोग से सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप की स्थापना नवा रायपुर को एक राष्ट्रीय तकनीकी हब के रूप में विकसित करेगी। मंत्रि-परिषद के अनुमोदन के पश्चात एसटीपीआई राज्य शासन एवं अन्य हितधारकों के सहयोग से नवा रायपुर अटल नगर में कुल चार नए सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई, हर्बल मेडिसिन एवं वन उत्पाद आधारित सेंटर, स्मार्ट सिटी सेंटर, स्मार्ट एग्री सेंटर की स्थापना करेगा। ये चारों आगामी 3 से 5 वर्षों में लगभग 135 डोमेन-विशिष्ट स्टार्ट-अप को सहयोग प्रदान करेंगे, जिससे स्थानीय युवाओं, उद्यमियों एवं नवाचारियों को बड़ा मंच मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम

डिजाइन एवं विकास केंद्र राज्य में हाईवेयर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सशक्त करने के उद्देश्य से एसटीपीआई के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विकास केंद्र की भी स्थापना की जाएगी। प्रतिवर्ष 30 से 40 हाईवेयर स्टार्ट-अप एवं एमएसएमई को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। ईएसडीएम उत्पादों के प्रोटोटाइप विकास में छात्रों, शोधकर्ताओं और उद्योगों को सहयोग देगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए व्यापक वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। 04 सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप की स्थापना एवं संचालन हेतु कुल 105.30 करोड़ रूपए, जिसमें से 51.50 करोड़ रूपए राज्य बजट से, शेष राशि एसटीपीआई द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं अन्य हितधारकों से प्राप्त की जाएगी।

नए आईटी-आईटीएस टॉवर के निर्माण तक टॉवर-सी, सीबीडी, सेक्टर-21 में 25,000 वर्गफुट स्थान अस्थायी रूप से निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। एसटीपीआई द्वारा एमओयू की तिथि से 12 माह के भीतर सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विकास केंद्र की स्थापना हेतु आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

पढ़ेसे बस्तर अभियान से बच्चों को मिल रही मिनी लाइब्रेरी की सौगात



बस्तर में शिक्षा की नई अलख

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन ने ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के सर्वांगीण विकास और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक अभिनव अध्ययन की शुरुआत की है। कलेक्टर श्री हरिस एस और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में जिले में शिक्षा की नींव को मजबूत करने और बच्चों में पठन अंचलों को विकसित करने के उद्देश्य से जिले में पढ़ेसे बस्तर अभियान चलाया जा रहा है। इस मुहिम के तहत प्रशासन द्वारा सुदूर अंचलों में बहुभाषी मिनी लाइब्रेरी की

स्थापना की जा रही है, ताकि बच्चों की पुस्तकों तक पहुँच आसान हो सके और वे ज्ञान की दुनिया से जुड़ सकें। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को स्वयंसेवी संगठन प्रथम बुक्स की पहल डोनेट-ए-बुक के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस साझेदारी का सबसे सुखद पहलू यह है कि इसमें बच्चों को ऐसी पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं जो न केवल ज्ञानवर्धक हैं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक भी हैं। विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध ये किताबें बच्चों को अपनी विरासत को जोड़ते हुए उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। अभियान की

सफलता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 4,788 पुस्तकें वितरित की जा चुकी हैं और वर्तमान में 43 नई मिनी-लाइब्रेरी के माध्यम से अतिरिक्त 4,477 पुस्तकें स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। प्रशासन ने शिक्षा के प्रसार के लिए पारंपरिक सीमाओं को तोड़ते हुए इन पुस्तकालयों को केवल सरकारी स्कूलों तक सीमित नहीं रखा है। अब जिले के पुलिस थाने, जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र, दिव्यांग बच्चों के केंद्र और बाल देखभाल संस्थान भी ज्ञान के केंद्र बन रहे हैं, जहाँ ये लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है।



सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के संबंध में आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर, सरगुजा संभाग (अम्बिकापुर) की अध्यक्षता में सूरजपुर जिले में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र - 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव एवं 06 प्रतापपुर - में वर्तमान में कुल 980 मतदान केंद्र हैं। पूर्व में 889 मतदान

केंद्र थे, जिन्हें युक्तियुक्त रूप से तहत 91 नए मतदान केंद्र जोड़कर बढ़ाया गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा के उपरांत 28 अक्टूबर 2025 की स्थिति में जिले में कुल 7,40,212 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 6,65,504 मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र जमा किए गए। प्राप्त गणना प्रपत्रों के अनुसार 21,028 मृत मतदाता, 38,656 स्थानांतरित मतदाता, 6,465 दोहरी प्रविष्टि वाले, 7,962 अनुपस्थित तथा 597 अन्य श्रेणी के मतदाता चिन्हित किए गए। इस प्रकार कुल 74,708 मतदाताओं के गणना प्रपत्र इन कारणों से प्राप्त नहीं हुए। 23 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत जिले में 3,36,855

पुरुष, 3,28,642 महिला तथा 7 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 6,65,504 मतदाता दर्ज किए गए हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर कुल 10,025 मतदाताओं को कैटेगरी 'सी' में रखा गया है। कैटेगरी 'सी' में वे मतदाता शामिल हैं, जिनका स्वयं अथवा जिनके पिता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी कर आयोग द्वारा निर्धारित

दस्तावेज सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। विधिवत सुनवाई के बाद स्वीकार किए गए नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। नए मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। 23 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 की अवधि में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के अनुसार 14,057 तथा अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2026 के अनुसार 1,613 भावी मतदाताओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिले के शासकीय महाविद्यालयों से 311 एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों से 1,441 फॉर्म-06 प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 17,422 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु आवेदन मिले हैं। वहीं, नाम विलोपन के लिए 837 फॉर्म-7

तथा संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए 1,324 फॉर्म-08 प्राप्त हुए हैं। बैठक में आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर द्वारा कैटेगरी 'सी' के मतदाताओं को सुनवाई प्रक्रिया तथा मतदान केंद्रों में लॉजिकल एर के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस पर उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय से कार्य किए जाने की बात कही और निर्वाचन कार्यों की सराहना की। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बताया कि मतदाताओं से प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की जानकारी प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में साझा की जा रही है, तथा संपूर्ण प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो रही है, जिस पर किसी भी दल को कोई आपत्ति नहीं है। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।



श्रीमंत शंकर देव के लेखनी से पूरा देश गौरवान्वित हुआ है - साय श्रीमंत शंकर देव के विचार सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता की नींव - डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका की पहल पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में स्थापित महान संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक चेतना के प्रणेता श्रीमंत शंकरदेव के विचारों, दर्शन और साहित्य को समर्पित शोध संस्थान का भव्य लोकार्पण आज गरिमामय समारोह में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल श्री रमेन डेका ने की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा, डॉ. कृष्ण गोपाल जी सह-सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित शिक्षा जगत के विद्वान, शोधार्थी, युवा वर्ग तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके साथ ही पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के मध्य एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर किया गया। एम.ओ.यू. के पश्चात दोनों ही विश्वविद्यालय के शोधार्थी एक-दूसरे विश्वविद्यालय में अंतरविषयक अनुसंधान कर सकेंगे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि श्रीमंत शंकर देव के विचार आज भी समाज को जोड़ने, सामानता स्थापित करने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं।

श्री डेका ने कहा कि इस शोध पीठ की स्थापना उत्तर पूर्वी भारत और मध्य भारत की सांस्कृतिक विरासत को अकादमी एवं शोध के स्तर पर जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह शोध पीठ भारत की महान संत परंपरा, भक्ति आंदोलन और



सामाजिक सुधारों पर केंद्रित अध्ययन का सशक्त केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे अकादमिक प्रयास देश की सांस्कृतिक एकता को और मजबूत करते हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस शोध पीठ के संचालन हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रुपये दिए गए हैं जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया। राज्यपाल ने कहा कि श्रीमंत शंकर देव ने समाज सुधारक, शिक्षाविद, कलाकार, नाटककार, नाट्य निदेशक, चित्रकार, साहित्यकार, गीतकार, संगीत और वैष्णव धर्म के प्रवर्तक व प्रचारक के रूप में ख्याति अर्जित की है। श्रीमंत शंकर देव को उत्तर पूर्व भारत के महान समाज सुधारक बताते हुए कहा कि उन्होंने जाति, वर्ग और धर्म से ऊपर उठ कर समरस समाज को अपने पूर्वजों के योगदान को बताकर हम एक सक्षम और समृद्ध भारत बना सकते हैं। इससे लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार होता है। श्री शंकर देव जी ने अपनी

रचित साहित्य अंकिया नाट और बोरगीत आज भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उनके विचारों ने असमिया समाज को एक सूत्र में पिरोया और सामाजिक चेतना को नई दिशा दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि पूज्य शंकरदेव जी का कार्यक्षेत्र भले ही असम था, लेकिन उनके द्वारा सामाजिक जागरण का जो कार्य किया गया, उसका प्रभाव संपूर्ण देश पर पड़ा। श्रीमंत शंकर देव जी द्वारा रचित साहित्य, नाटक, भजन में भारतीय संस्कृति का उद्घोष है। हमारा देश अपनी एकता और अखंडता के लिए जाना जाता है। इसके पीछे श्री शंकरदेव जी जैसे भारत माता के सपूत हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की संस्कृति को समर्पित किया। वर्तमान और नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के योगदान को बताकर हम एक सक्षम और समृद्ध भारत बना सकते हैं। इससे लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार होता है। श्री शंकर देव जी ने अपनी

एक रचना में कहा कि भारत भूमि में जन्म लेना सबसे सौभाग्य की बात है। उन्होंने 500 वर्ष पहले एक भारत का जो संदेश दिया, उसे आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का नारा देकर साकार कर रहे हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा असम राज्य विविधताओं से भरपूर है। यहाँ विविध प्रकार की जनजाति भौगोलिक, नदी, पहाड़, जंगल, घने वन उपस्थित हैं। जिस कारण यहाँ हजारों वर्षों से दूर दूर विविध जनजाति निवास करते हैं। इन जनजातियों को एक सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण कार्य श्रीमंत शंकर देव ने किया। उन्होंने श्री कृष्ण भक्ति के माध्यम से किया लोगों को जोड़ा। वे भक्ति आंदोलन के प्रमुख व्यक्ति हैं उन्होंने भक्ति के साहित्य का लेखन किया, नाट्य, गायन खड़े प्रशिक्षण दिया। गांव गांव में नाम घर की स्थापना किए। आज असम के हर गांव है जिसे नाम स्थापित है। भक्ति, संस्कृति एवं सामाजिक सद्भाव का घर कहलाता है। उन्होंने श्रीमंत शंकर देव के योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा श्रीमंत शंकरदेव ने शिक्षा को केवल साक्षरता तक सीमित न रखकर उसे संस्कार और संस्कृति से जोड़ा। यह शोध संस्थान केवल भवन नहीं, बल्कि विचारों की कार्यशाला बनकर उभरेगा। यहाँ से निकलने वाले शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पहचान दिलाएंगे।

जूते-मोजे और घड़ी पर बैन, आधे घंटे पहले ही बंद हो जाएंगे गेट

कड़ी सुरक्षा में होगी 1 फरवरी को होगी टीईटी परीक्षा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) द्वारा आगामी 1 फरवरी 2026 को आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा इस बार सामान्य परीक्षाओं से काफ़ी अलग होगी। जिला मुख्यालय जगदलपुर में 14,174 अभ्यर्थियों के लिए आयोजित इस महापरीक्षा में प्रशासन ने सुरक्षा और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नकल और अनुचित साधनों को रोकने के लिए व्यापम ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत अभ्यर्थियों को एक विशेष ड्रेस कोड और समय-सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए लागू किए गए इन सख्त नियमों के मुताबिक परीक्षार्थियों को केंद्र के भीतर जूते-मोजे पहनकर जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षार्थियों को केवल चप्पल पहनकर ही आना होगा। इसके अलावा, गहरे रंग के कपड़े पहनने पर भी रोक लगाई गई है। अभ्यर्थियों को केवल हल्के रंग के आधी घंटे पहले कपड़े पहनकर आने के निर्देश दिए गए हैं ताकि फ्रिक्कांग की प्रक्रिया सुगमता से पूरी की जा सके। सुरक्षा जांच इतनी कड़ी होगी कि साधारण स्वेटर को भी जाँच के लिए उतरवाया जाएगा। इसके साथ ही कान में किसी भी प्रकार के आभूषण, पर्स, बेल्ट, टोपी, चड़ी और किसी भी तरह



के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा कक्ष में ले जाना पूर्णतः वर्जित किया गया है। प्रशासन ने समय की पाबंदी को लेकर भी जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अभ्यर्थियों को विशेष रूप से सतर्क किया गया है कि परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय से ठीक 30 मिनट पहले केंद्रों के मुख्य द्वार स्थायी रूप से बंद कर दिए जाएंगे। सुबह 9.30 बजे शुरू होने वाली प्रथम पाली के लिए गेट सुबह 9 बजे और दोपहर 3 बजे शुरू होने वाली द्वितीय पाली के लिए गेट दोपहर 2.30 बजे बंद हो जाएंगे। किसी भी कारण से इस समय सीमा के बाद पहुँचने वाले किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसीलिए सभी को परीक्षा से कम से कम दो घंटे पूर्व केंद्र पर पहुँचने की सलाह दी गई है ताकि उनकी पहचान और सुरक्षा जाँच समय पर पूरी हो सके।

गुरुकुल बालक क्रीड़ा परिसर में पाँच दिवसीय खेल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

गौरेला पेंड्रा मरवाही। आदिवासी विकास विभाग के तत्वावधान में गुरुकुल बालक क्रीड़ा परिसर, पेण्डुरोड में पाँच दिवसीय विशेष खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 21 जनवरी से 25 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर में एथलेटिक्स एवं तीरंदाजी खेलों का विशेष प्रशिक्षण अनुभवी खेल विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षित कोचर्स द्वारा प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रतिदिन कुल 4 घंटे 30 मिनट का होगा, जिसमें प्रातः 6:30 बजे से 9 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक अभ्यास कराया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य आदिवासी विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा को निखारना तथा उन्हें उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को शारीरिक दक्षता, तकनीकी कौशल एवं अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।